M.A. (Economics) CBCS Pattern Semester-IV

EO-403 - Indian Economics Policy-II

P. Pages : 3 **GUG/W/23/10487**

Time : Three Hours * 5 7 0 1 * Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain the fiscal sector reforms in India. **16**

OR

Explain the factor of Indian Money Market.

2. Write the impact of W.T.O. on various aspect of Indian economy. **16**

OR

What is globalization? Write its impact on Indian economy.

3. Solve **any two** of the following. **16**

a) 'Productivity in industrial sector is not satisfactory' discuss.

b) Write the problems of small scale sector.

c) Explain the importance of public sector in Indian economy.

d) Explain the role of disinvestment in privatization.

4. Solve **any two** of the following. **16**

a) Evaluate India's balance of payment on current account after 1991.

b) Write in brief the direction of foreign trade.

c) Write a short notes on MNC's in India.

d) Write the importance of FEMA in foreign trade.

5. Solve all the questions below. **16**

a) Write a note on problems of sick Industries in India.

b) Write a short notes on changing price trend in India.

c) What do you know about economic reforms in India.

d) Explain the need for foreign capital.

****

M.A. (Economics) CBCS Pattern Semester-IV

EO-403 - Indian Economics Policy-II

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.
3. संदर्भासाठी मुळ इंग्रजी प्रश्नपत्रिका पहावी.

1. भारताच्या राजकोषीय क्षेत्रातील सुधारणा स्पष्ट करा. **16**

किंवा

भारतीय मुद्रा बाजाराचे घटक स्पष्ट करा.

2. भारतीय अर्थव्यवस्थेच्या विविध अंगावर (WTO) जागतिक व्यापार संघटनेचा होणारा परिणाम स्पष्ट करा. **16**

किंवा

जागतिकिकरणाचा अर्थ स्पष्ट करून त्याचा भारतीय अर्थव्यवस्थेवर होणारा परिणाम स्पष्ट करा.

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोनची** उत्तरे लिहा. **16**

अ) औद्योगिक क्षेत्राची उत्पादकता समाधानकारक नाही चर्चा करा.

ब) लघु उद्योग क्षेत्राच्या समस्या स्पष्ट करा.

क) भारतीय अर्थव्यवस्थेतील सार्वजनिक क्षेत्राचे महत्व स्पष्ट करा.

ड) खाजगीकरणातील निर्गुतवणुकीची भुमिका स्पष्ट करा.

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोनची** उत्तरे लिहा. **16**

अ) 1991 नंतर भारताच्या चालू खात्यावरील शोधन शेषाचा आढावा घ्या.

ब) विदेशी व्यापाराची दिशा थोडक्यात स्पष्ट करा.

क) भारतातील बहुराष्ट्रीय निगमावर टिपण लिहा.

ड) फेमाचे विदेशी व्यापारातील महत्व स्पष्ट करा.

5. खालील सर्व प्रश्नांची उत्तरे थोडक्यात लिहा. **16**

अ) भारतातील आजारी उद्योगावर टिप लिहा.

ब) भारतातील बदलत्या किंमत प्रवृत्तीवर टिप लिहा.

क) भारतातील आर्थिक सुधारणाविषयी तुम्हाला काय माहीत आहे.

ड) विदेशी भांडवलाची आवश्यकता स्पष्ट करा.

****

M.A. (Economics) CBCS Pattern Semester-IV

EO-403 - Indian Economics Policy-II

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।
3. संदर्भ के लिए मूल अंग्रेजी प्रश्न पत्रीका देखें।

1. भारत के राजकोषीय क्षेत्र के सुधार स्पष्ट किजिए। **16**

अथवा

भारतीय मुद्रा बाजार के घटक स्पष्ट किजीए।

2. जागतिक व्यापार संघटन का (WTO) भारत के विभिन्न अंगोपर होने वाले परिणाम स्पष्ट किजीए। **16**

अथवा

वैश्वीकरण (Globalization) का अर्थ बतलाकर उसका भारत की अर्थव्यवस्थापर होने वाले परिणाम स्पष्ट किजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए। **16**

अ) औद्योगिक क्षेत्र की उत्पादकता असमाधान कारक है चर्चा किजीए।

ब) लघु उद्योग क्षेत्र की समस्याँए स्पष्ट किजीए।

क) भारतीय अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र का महत्व स्पष्ट किजिए।

ड) निजीकरण में विनिवेश की भुमिका स्पष्ट करें।

4. निम्न प्रश्नों में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए। **16**

अ) 1991 के बाद भारत के चालू खाते का भुगतान संतुलन के बारे में लिखीए।

ब) विदेशी व्यापार की दिशा स्पष्ट किजीए।

क) भारत के बहुराष्ट्रीय निगम पर टिपणी किजीए।

ड) विदेशी व्यापार में फेमा का महत्व स्पष्ट किजीए।

5. निम्न सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **16**

अ) भारत के आजारी उद्योग पर टिप्पणी किजीए।

ब) भारत में बदलती किंमत प्रवृत्ती पर टिप लिखीए।

क) भारत में हुए आर्थिक सुधारों के बारे में आपको क्या जानकारी है।

ड) विदेशी पूँजी कि आवश्यकता स्पष्ट किजीए।

****